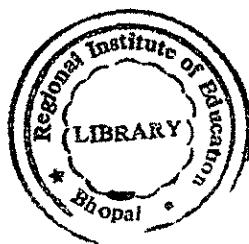


अध्याय-तृतीय



अध्याय - तृतीय

प्रदत्तों का संकलन एवं प्रस्तुतीकरण

3 0 भूमिका

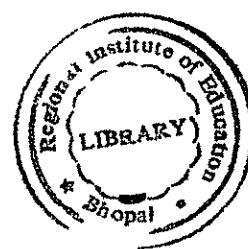
शोधकार्य में दिशा की ओर अग्रसर होने के उद्देश्य से यह जानना आवश्यक होता है कि शोध—प्रबध का व्यवस्थित अभिकल्प या रूपरेखा तैयार की जाये क्योंकि यही अभिकल्प शोध को निश्चित दिशा प्रदान करता है। इससे न्यादर्श के चयन की अपनी विशेष भूमिका होती है। न्यादर्श जितने अधिक सुदृढ़ होगे, शोध के परिणाम उतने ही विश्वसनीय, वैध एवं परिशुद्ध होगे। न्यादर्श चयन के पश्चात उपकरणों एवं तकनीक का चयन भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इन्हीं के माध्यम से प्रदत्तों का संकलन किया जाता है।

3 1 न्यादर्श चयन

न्यादर्श पद्धति अनुसधान की वह पद्धति है जिसमें अनुसधान विषय के अंतर्गत संपूर्ण जनसम्बन्ध से सावधानीपूर्वक कुछ इकाईयों को चुना जाता है, जो संपूर्ण जनसम्बन्ध की आधारभूत विषेषताओं का प्रतिनिधित्व करती है।

प्रस्तुत शोध में शोधकर्ता ने उच्च प्राथमिक शालाओं में स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा की स्थिति का अध्ययन करने के लिए भोपाल की आठ शाउप्राशा और आठ अशा उप्राशा का चयन किया गया। इस शोधकार्य हेतु समस्त भोपाल को चार भागों में विभाजित किया गया। ये चार भाग हैं—

- 1 अरेरा कालोनी क्षेत्र
- 2 टीटी नगर क्षेत्र
- 3 पुराना भोपाल क्षेत्र
- 4 बी एच ई एल क्षेत्र



प्रत्येक क्षेत्र मे से दो शासकीय तथा दो अशासकीय विद्यालयों का चयन किया गया। न्यादर्श का चयन यादाच्छिक विधि से किया गया है। इसके लिए शोधकर्ता ने डी ओ ऑफिस से शासकीय तथा अशासकीय शालाओं की सूची ली और सभी शालाओं के नाम की पर्चिया बनायी और उनमे से आठ शाउ प्राशा तथा आठ अशाउ प्राशा की पर्चिया चुन ली गई।

3 2 उपकरण

अनुसधान मे आकडो के सकलन हेतु प्रयुक्त साधनों को उपकरण कहते हैं। उपकरण शोध को वैज्ञानिक आधार प्रदान करने एव शोधकार्य के निष्कर्ष निकालने मे सहायक होते हैं। शोधकर्ता द्वारा अपने अध्ययन के लिए निर्धारित उद्देश्यों की पूर्ति के लिए उपकरणों का निर्माण विकास एव चयन कुशलतापूर्वक प्रयोग किए जाने का अपना महत्व है। अत उपकरणों का निर्माण अध्ययन के उद्देश्यों को ध्यान मे रखते हुए किया जाना चाहिए।

अध्ययन का मुख्य उद्देश्य उच्च प्राथमिक शालाओं मे शारीरिक शिक्षा की स्थिति का अध्ययन करना था। इस हेतु यह निर्णय लिया गया कि चयनित शाला के प्राचार्य, शारीरिक शिक्षक तथा छात्रों के लिए प्रश्नावली की आवश्यकता महसूस की गई। तथा विद्यालय मे उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त करने हेतु अवलोकन सारणी का निर्माण किया गया।

प्रश्नावली की रचना हेतु भूतकाल मे किये गए शोध का अध्ययन किया एव वरिष्ठ शिक्षकगणों के विचारों को भी इसमे सम्मिलित किया गया है तथा खेल शिक्षकों के विचारों को भी लिया गया है।

3 2 1 स्वास्थ्य एव शारीरिक शिक्षा जानकारी प्रश्नावली (प्रधान अध्यापकों के लिए) इस प्रश्नावली मे 49 प्रश्न है। परिशिष्ट "अ" मै देखें।



- ३२२ स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा जानकारी प्रश्नावली (खेल शिक्षकों के लिए) इस प्रश्नावली में 26 प्रश्न हैं।
- ३२३ स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा जानकारी प्रश्नावली (विद्यार्थियों के लिए) इस प्रश्नावली में 13 प्रश्न हैं।
- ३२४ अवलोकन सारणी इसमें 12 प्रश्न हैं।

३३ प्रदत्तों का सकलन

आकड़ों का सकलन हेतु अध्ययनकर्ता विद्यालय लगाने के निर्धारित समय पर पहुंचकर विद्यालय के प्रधान अध्यापक को प्रस्तुत अध्ययन के विषय एवं उद्देश्य से अवगत कराया तत्पश्चात् अनुमति प्राप्त कर जानकारी प्राप्त की। इस अध्ययन कार्य में प्रत्येक शाला में तीन दिन का समय लगा है। पहले शाला के प्रधान अध्यापक से प्रश्नावली द्वारा जानकारी प्राप्त की। उसके बाद खेल शिक्षक से जानकारी प्राप्त की गई। फिर हर विद्यालय के दो-दो छात्रों से जानकारी प्राप्त की गई। अवलोकन सारणी द्वारा शाला में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की गई।

३४ प्रयुक्त साखियकी

प्रस्तुत शोधकार्य में प्रदत्तों को सारणीबद्ध किया गया है।

